02/GO/CC/M-2025 – 37

पुस्तिका शृंखला

K

Serial No.

9320014

उम्मीदवार का अनुक्रमांक

प्रश्न–पुस्तिका

मैथिली भाषा और साहित्य

समय : 2 घण्टे **पूर्णांक : 100**

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले नीचे लिखे अनुदेशों को ध्यान से पढ़ लें।

महत्त्वपूर्ण अनुदेश

K

1. इस प्रश्न–पुस्तिका में कुल 100 प्रश्न हैं।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
4. प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आपको उत्तर पत्रक प्रश्न–पुस्तिका के अन्दर दिया गया है। **अपने उत्तर पत्रक के निर्धारित स्थान में अपना अनुक्रमांक लिखें एवं कूटबद्ध करें तथा अन्य विवरण अवश्य लिखें अन्यथा आपका उत्तर पत्रक जाँचा नहीं जायेगा।**
5. **परीक्षा आरम्भ होते ही आप अपनी प्रश्न–पुस्तिका एवं संलग्न उत्तर पत्रक की जाँच कर देख लें कि प्रश्न–पुस्तिका के ऊपर दायीं ओर मुद्रित शृंखला एवं उत्तर पत्रक पर मुद्रित शृंखला समान है। कृपया यह भी जाँच लें कि प्रश्न–पुस्तिका में रफ कार्य हेतु तीन पृष्ठों (पृष्ठ सं. 14 से 16) सहित पूरे 16 मुद्रित पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न या पृष्ठ बिना छपा हुआ या फटा हुआ या दोबारा आया हुआ या प्रश्न–पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक में मुद्रित शृंखला में अन्तर तो नहीं है। प्रश्न–पुस्तिका एवं संलग्न उत्तर पत्रक में किसी प्रकार की त्रुटि पाने पर तत्काल इसके बदले, इसी शृंखला की दूसरी सही प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. पत्रक ले लें।**
6. इस पृष्ठ के ऊपर निर्धारित स्थान में अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें। प्रश्न–पुस्तिका पर और कुछ न लिखें।
7. इस प्रश्न–पुस्तिका में सभी प्रश्न और उनके उत्तर मैथिली में मुद्रित हैं। प्रत्येक प्रश्न के चार उत्तर — (A), (B), (C) और (D) क्रम पर दिये गये हैं। उनमें से आप सबसे सही **केवल एक** उत्तर को चुनें और अपने उत्तर पत्रक पर अंकित करें। यदि आपको ऐसा लगे कि किसी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर सही हैं, तो आप अपने उत्तर पत्रक में उस उत्तर को अंकित करें जो आपको सर्वोत्तम लगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए **केवल एक** ही उत्तर चुनना है। आपका कुल प्राप्तांक आपके द्वारा उत्तर पत्रक में अंकित सही उत्तरों पर निर्भर होगा।
8. उत्तर पत्रक में प्रत्येक प्रश्न संख्या के सामने **चार** वृत्त इस प्रकार बने हुए हैं — Ⓐ, Ⓑ, Ⓒ और Ⓓ। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आपको अपनी पसन्द के **केवल एक** वृत्त को **काली/नीली स्याही के बॉल–पॉइन्ट पेन** से चिह्नित करना है। प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक उत्तर को चुनें और उसे अपने उत्तर पत्रक में चिह्नित करें। आप उत्तर पत्रक में यदि एक प्रश्न के लिए एक से अधिक वृत्त में निशान लगाते हैं, तो आपका उत्तर गलत माना जायेगा। **उत्तर पत्रक में उत्तर को चिह्नित करने के लिए केवल काली/नीली स्याही के बॉल–पॉइन्ट पेन का ही प्रयोग करें। किसी भी प्रकार का काट–कूट अथवा परिवर्तन मान्य नहीं है।**
9. प्रश्न–पुस्तिका से कोई पन्ना फाड़ना या अलग करना मना है। प्रश्न–पुस्तिका और उत्तर पत्रक को परीक्षा की अवधि में परीक्षा भवन से बाहर कदापि न ले जायें। **परीक्षा के समापन पर उत्तर पत्रक वीक्षक को अवश्य सौंप दें।** उसके बाद आपको अपनी प्रश्न–पुस्तिका अपने साथ ले जाने की अनुमति है।
10. ऊपर के अनुदेशों में से किसी एक का भी पालन नहीं करने पर आप पर आयोग के विवेकानुसार कार्रवाई की जा सकती है अथवा आपको दण्ड दिया जा सकता है।
11. अभ्यर्थी उत्तर पत्रक को अपनी उपस्थिति में Self Adhesive LDPE Bag में पूरी तरह से पैक/सील करवाने के उपरांत ही परीक्षा कक्ष को छोड़ें।

www.bpscpathshala.com

1. सुधांशु शेखर चौधरीक कृति अछि
(A) ई बतहा संसार
(B) गामवाली
(C) बालादित्य
(D) फुटपाथ

2. ''सत्य अहिंसा, करुणा, मैत्री
प्रेमक पाठ पढ़ैत रहैत छी''
– ई पाँति कोन कविताक अंश थिक ?
(A) हरसिंगार
(B) वर्षा–उल्लास
(C) चेतना तरंग
(D) सनातन पुरुष

3. डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश' मैथिली साहित्यक आधुनिक काल मानैत छथि
(A) 1830 ई. सँ.
(B) 1300 ई. सँ.
(C) 1860 ई. सँ. अद्यपर्यन्त
(D) 1880 ई. सँ.

4. 'मैथिली लोकगीत' पोथीक रचनाकार छथि
(A) राजेश्वर झा
(B) अणिमा सिंह
(C) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'
(D) डा. योगानन्द झा

5. 'नैका बनिजारा' पुरस्कृत अछि
(A) मैथिली अकादमीसँ
(B) चेतना समितिसँ
(C) मिथिला रिसर्च सोसायटीसँ
(D) साहित्य अकादमीसँ

6. 'दत्त–वती' कोन विधाक रचना थिक ?
(A) महाकाव्य
(B) कथा
(C) नाटक
(D) उपन्यास

7. 'सन्यासी'मे कथावस्तु अछि
(A) पौराणिक
(B) काल्पनिक
(C) पाश्चात्य रीतिक
(D) ऐतिहासिक

8. ''समस्त आर्यावर्तक सामाजिक जीवनमे संगीतक बड़ उच्च स्थान अछि, नृत्य ओ गीत प्राय: प्रत्येक उत्सवक हेतु आवश्यक कहल अछि, परन्तु, मिथिलाक जनजीवन तँ संगीतमय अछि ।''
– ई कथन थिक
(A) पं. बलदेव मिश्र
(B) चन्दा झा
(C) विद्यापति
(D) प्रो. रमानाथ झा

9. 2018 ई.क साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार प्राप्त कएने छथि
(A) अमित पाठक
(B) चन्दन कुमार झा
(C) केदार कानन
(D) उमेश पासवान

www.bpscpathshala.com

10. मध्यकालमे प्रबंधकाव्यक श्रीगणेश भेल

(A) मनबोध द्वारा

(B) चन्दा झा द्वारा

(C) गोविन्ददास द्वारा

(D) विद्यापति द्वारा

11. भीमनाथ झाक 'विविधा' मे संकलित निबन्धक संख्या अछि

(A) 18

(B) 12

(C) 21

(D) 15

12. 'प्राचीन मैथिली साहित्यक रूपरेखा' लिखने छथि

(A) डॉ. मायानन्द मिश्र

(B) प्रो. रमानाथ झा

(C) डॉ. जयकान्त मिश्र

(D) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

13. 'मैथिली पत्रकारिताक इतिहास' ग्रंथ अछि

(A) उपन्यासक

(B) कथाक

(C) कविताक

(D) आलोचनाक

14. भाषा थिक

(A) संप्रेषणहीनताक माध्यम

(B) निरर्थकता बोधक माध्यम

(C) बोलीक हासोन्मुख रूप

(D) विचार-विनिमयक माध्यम

15. भोलालाल दास द्वारा लिखित निबंध अछि

(A) अगहन-पूस

(B) वर्णना

(C) देशक दासता

(D) राजनीति ओ समाजनीति

16. वर्णरत्नाकरमे 'ऋतुवर्णना' अछि

(A) तृतीय कल्लोलमे

(B) प्रथम कल्लोलमे

(C) पंचम कल्लोलमे

(D) चतुर्थ कल्लोलमे

17. 'मनोरथ' नाटकक लेखक छथि

(A) पं. गोविन्द झा

(B) तृप्रि नारायण लाल

(C) भाग्य नारायण झा

(D) बाबू साहेब चौधरी

18. 'उनटा पाल'मे संकलित हास्य रसक कवि छथि

(A) प्रो. तंत्रनाथ झा

(B) डॉ. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

(C) बहेड़जी

(D) प्रो. हरिमोहन झा

19. डॉ. ग्रियर्सन अनुसार मैथिलीक विभिन्न बोली अछि

(A) सात गोट

(B) पाँच गोट

(C) छओ गोट

(D) चारि गोट

www.bpscpathshala.com

20. 'चित्रा'मे कविता संकलित अछि

(A) तीस

(B) अट्ठाइस

(C) चालीस

(D) पच्चीस

21. लोक-विधि ओ वेद-विधिमे जेहन अन्तर छल, से आरम्भहिसँ साहित्यहुक क्षेत्रमे छल । कोनहु युगमे शिष्ट ओ परिनिष्ठित साहित्यसँ भिन्न जे रचना होइछ, से ओहि युगक लोकसाहित्य कहबैत अछि ।

– ई गद्यांश कहने छथि

(A) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(B) डॉ. मायानन्द मिश्र

(C) डॉ. अमरनाथ झा

(D) डॉ. लेखनाथ मिश्र

22. पटना विश्वविद्यालयक मैथिली डेभलपमेन्ट फन्डसँ प्रकाशित 'भाषागीत संग्रह'क सम्पादक छथि

(A) पं. गोविन्द झा

(B) प्रो. हरिमोहन झा

(C) पं. सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(D) प्रो. रमानाथ झा

23. मैथिलीक जासूसी उपन्यास 'कोब्रागर्ल'क उपन्यासकार छथि

(A) 'मणिपद्म'जी

(B) जीवकान्त

(C) 'अमर'जी

(D) गंगेश गुंजन

24. यात्री जीक कृति 'परम सत्य'मे महिमाक बरबान कएल गेल अछि

(A) ग्राम्य जीवनक

(B) राजा-महाराजा

(C) देवी-देवताक

(D) राज नेताक

25. "यदि मिथिला ओ मगधमे सांस्कृतिक सम्बन्ध स्थापित रहैत तँ ई दुनू भाषा कोना एक भाषाक उपभाषा रहैत ।"

– ई कथन थिक

(A) डॉ. शिवदान सिंह चौहान

(B) ग्रियर्सन

(C) डॉ. देवेन्द्र नाथ मिश्र

(D) डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी

26. 'सुन्दरकाण्ड' विभाजित अछि

(A) सात अध्यायमे

(B) पाँच अध्यायमे

(C) चारि अध्यायमे

(D) छओ अध्यायमे

27. "घटना विकास ओ परिस्थिति निर्माणमे पंठ जीवन झा एहि नाटकमे अपन जाहि नाटकीय कौशलक परिचय देलनि अछि से ओहि युगमे सर्वथा दुर्लभ छल .....। यैह थिक 'सुन्दर संयोग'क विशिष्टता ।"

– इतिहासकार कहने छथि

(A) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(B) डॉ. दिनेश कुमार झा

(C) डॉ. जयकान्त मिश्र

(D) डॉ. मायानन्द 'मिश्र'

www.bpscpathshala.com

28. आरसी प्रसाद सिंहके कोन काव्य संग्रह पर 'विद्यापति-पुरस्कार' भेटल छनि ?

(A) शेफालिका

(B) पूजाक फूल

(C) सूर्यमुखी

(D) माटिक दीप

29. 'आधक आध आध दिठि-अंचल जब धरि पेखल कान'

– एहि पाँतिमे अलंकार अछि

(A) छेकानुप्रास अलंकार

(B) वृत्यानुप्रास अलंकार

(C) श्लेष अलंकार

(D) रूपक अलंकार

30. पारिजातहरणमे कतेक भाषाक प्रयोग भेल अछि ?

(A) चारि भाषा

(B) दू भाषा

(C) पाँच भाषा

(D) तीन भाषा

31. मैथिली भाषा भारतक अतिरिक्त कोन देशमे बाजल जाइछ ?

(A) नेपाल

(B) मौरिसस

(C) वियतनाम

(D) श्रीलंका

32. 'नातिक पत्रक उत्तर' पुरस्कृत अछि

(A) चेतना समितिसँ

(B) मैथिली अकादेमीसँ

(C) मिथिला रिसर्च सोसायटीसँ

(D) साहित्य अकादेमीसँ

33. 'प्रदीप विहारी'क पोथी थिक

(A) आइ काल्हि परसू

(B) सरोकार

(C) गणनायक

(D) ऋतम्बरा

34. "महाकवि विधापति काल मिथिला ओ मैथिलीक लेल स्वर्णकाल थिक । वस्तुत: मैथिली साहित्यक आदिकाल स्वर्णकाल थिक ।"

– इतिहासकार लिखने छथि

(A) डॉ. वासुकीनाथ झा

(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(C) डॉ. मायानन्द मिश्र

(D) डॉ. जयकान्त मिश्र

35. "कतओक दिवस जखन बिति गेल
हरि पुनु हथगर गोड़गर भेल"

– ई पौपाई कोन अध्यायमे अछि ?

(A) पंचम अध्यायमे

(B) तेसर अध्यायमे

(C) छठम अध्यायमे

(D) चारिम अध्यायमे

www.bpscpathshala.com

36. मार्कण्डेय प्रवासीकेँ साहित्य अकादेमी पुरस्कार भेटलनि

(A) 'सन्धान'पर

(B) 'अगस्त्यायनी'पर

(C) 'लोक सुनू'पर

(D) 'एतदर्थ'पर

37. 'गंगापुत्र' कोन विधाक रचना थिक ?

(A) निबंध संग्रह

(B) कविता संग्रह

(C) संस्मरण

(D) कथासंग्रह

38. ''मैथिली साहित्यकेँ लोकप्रिय बनएबामे प्रो. हरिमोहन झाक 'कन्यादान'क बड़ महत्वपूर्ण स्थान अछि । एहिसँ मैथिली भाषा-भाषी शिक्षित जनसमुदायक जतबा मनोरंजन भेल, ततबा मैथिली साहित्यक कोनहु अन्य कृतिसँ नहि ।''

– कोन इतिहासकार कहने छथि

(A) डॉ. मायानन्द मिश्र

(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(C) डॉ. जयकान्त मिश्र

(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

39. 'यात्री' जीक कविताक शीर्षक थिक

(A) अन्तर्नाद

(B) परमिटक साड़ी

(C) घसल अठन्नी

(D) सिंगरहार

40. उगना रे मोर कतए गेलाह ।
कतए गेलाह सिव किदहु भेलाह ।

– एहि गीतक शीर्षक अछि

(A) गौरि-सहित हर पूरथु आस

(B) सैसव जौवन उपजलवाद

(C) नव अनुरागिनि नव अनुरागी

(D) हेरइते हृदय हनए पञ्चबाने

41. वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' जी कवि छथि

(A) यथार्थवादी

(B) सामन्तवादी

(C) मार्क्सवादी

(D) प्रगतिवादी

42. भाषा वैज्ञानिक डॉ. सुनीति कुमार चटर्जीक जन्म भेल छनि

(A) 1873 ई. मे

(B) 1890 ई. मे

(C) 1880 ई. मे

(D) 1870 ई. मे

43. ''भाषा विज्ञानक दृष्टिसँ मैथिली एवं भोजपुरीमे जाहि तरहक समानता भेटैछ ओ थोड़ बहुत आनो आधुनिक भाषामे अछि ।''

– ई कहब छनि

(A) डॉ. धीरेन्द्रनाथ मिश्र

(B) डॉ. दिनेश कुमार झा

(C) डॉ. शिवाकान्त ठाकुर

(D) डॉ. इन्द्रकान्त झा

www.bpscpathshala.com

44. 'उगैत सूर्यकेँ प्रणाम' लिखने छथि

(A) गोविन्द झा

(B) आरसी प्रसाद सिंह

(C) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

(D) रमानन्द रेणु

45. भाषाक ऐतिहासिक विकासक्रमक कोत पद्धतिसँ अध्ययन कएल जाइछ ?

(A) तुलनात्मक

(B) वर्णनात्मक

(C) संरचनात्मक

(D) ऐतिहासिक

46. 'मिस बिजलीक भाषण' शीर्षक कोन पोथीमे अछि ?

(A) द्विरागमन

(B) रंगशाला

(C) कन्यादान

(D) शशिकला

47. 'कृष्णजन्म' महाकाव्यमे अध्याय अछि

(A) आठ

(B) अठारह

(C) बारह

(D) सोलह

48. 'विद्यापतिक शिवसिंह' निबंध लिखने छथि

(A) कृष्ण मिश्र

(B) जयदेव मिश्र

(C) प्रो. रमानाथ झा

(D) माहेश्वरी सिंह 'महेश'

49. 'साँझक गाछ'क लेखक छथि

(A) प्रबोध नारायण सिंह

(B) शशिनाथ चौधरी

(C) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'

(D) राजकमल चौधरी

50. 'पहिलहि कूल तूल-सम ऊड़ल जाकर बेनुक फूके'

– एहि पाँतिमे अछि

(A) श्लेष अलंकार

(B) उपमा अलंकार

(C) रूपक अलंकार

(D) छेकानुप्रास अलंकार

51. 'सामाक गीत'क लेखक छथि

(A) उमानाथ झा

(B) पं. गोविन्द झा

(C) रमानन्द रेणु

(D) तंत्रनाथ झा

52. ''न्याय भवन कचहरी नाम ।
सभ अन्याय भरल तेहि ठाम ।''

– एहि पाँतिमे चित्रण भेल अछि

(A) धार्मिक चित्रण

(B) राजनीतिक चित्रण

(C) सांस्कृतिक चित्रण

(D) यथार्थ चित्रण

www.bpscpathshala.com

53. 'चाणक्य महाकाव्य कतेक सर्गमे विभक्त अछि ?

(A) एगारह सर्गमे

(B) दस सर्गमे

(C) आठ सर्गमे

(D) बारह सर्गमे

54. 'रागतरंगिणी'मे कविक पद संकलित अछि

(A) पैंतीस कविक

(B) उनतीस कविक

(C) चालीस कविक

(D) तीस कविक

55. वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'क जन्म भेलनि

(A) 1912 ई. मे

(B) 1910 ई. मे

(C) 1913 ई. मे

(D) 1911 ई. मे

56. 'वामन पोथी छत्री तीर' - ई पाँति की थिक ?

(A) दोहा

(B) लोकोक्ति

(C) कहबी

(D) मोहबरा

57. 'भूपरिक्रमा'क रचना विद्यापीत कएलनि

(A) रानी विश्वास देवी आज्ञासँ

(B) महाराज धीरसिंहक आज्ञासँ

(C) महाराज देवसिंहक आज्ञासँ

(D) दर्पनारायण सिंहक आज्ञासँ

58. 'हमरा लग रहब ?' कोन विधाक पोथी थिक ?

(A) कथा

(B) कविता

(C) उपन्यास

(D) नाटक

59. 'विजेता विधापति' कोन प्रकारक नाटक थिक ?

(A) पौराणिक

(B) ऐतिहासिक

(C) वैचारिक

(D) सामाजिक

60. अलंकार-दर्पणक रचयिता छथि

(A) कविवर सीताराम झा

(B) उपेन्द्र झा

(C) डॉ. उमेश मिश्र

(D) वेदानन्द झा

61. मैथिली साहित्यमे जे कोनो भाव शिल्प-विषयक नवीनताक आरम्भ भेल से चन्दा झा सँ । एहि सभक हेतु हुनक नवीनतावी दृष्टि सएह प्रेरक छल । - इतिहासकार कहने छथि

(A) डॉ. दिनेश कुमार झा

(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(C) बालगोविन्द झा 'व्यथित'

(D) डॉ. मायानन्द मिश्र

www.bpscpathshala.com

62. 'मेघ-यामिनी चलालि कामिनि पहिरि नील निचोल रे'
– एहि पाँतिमे वर्णन भेल अछि
(A) विरह
(B) अभिसार
(C) मान
(D) मिलन

63. 'मिथिला भाषा रामायण'क प्रकाशन भेल
(A) 1887 ई. मे
(B) 1892 ई. मे
(C) 1900 ई. मे
(D) 1883 ई. मे

64. कविवर चन्दा झाक जन्म भेलनि
(A) 1831 ई. मे
(B) 1835 ई. मे
(C) 1836 ई. मे
(D) 1833 ई. मे

65. 'ऋतुगीत' कहल जाइत अछि
(A) सामा-चकेबा
(B) चैतावरि
(C) विषहरि
(D) सोहर

66. मैथिलीक उत्पत्ति भेल ?
(A) बाँग्लासँ
(B) शौरसैनीसँ
(C) मगहीसँ
(D) मागधी अपभ्रंशसँ

67. ''उसरल जग भरि शिशिर पसार,
बसल सरस ऋतुपति बनिजार ।''
– ई पाँति थिक
(A) गोरक्ष-विजय
(B) पारिजात हरण
(C) नल-चरित
(D) उषाहरण

68. 'केश छता जकाँ माथ हत्ता जकाँ,'
– एहि पाँतिक रचनाकार छत्ता
(A) कविवर सीताराम झा
(B) यदुनाथ झा 'यदुवर'
(C) गंगाधर झा
(D) जीवन झा

69. 'मरीचिका' उपन्यासक लेखक छथि
(A) डॉ. वीणा ठाकुर
(B) लिलि रे
(C) श्याम दरिहरे
(D) नीरजा रेणु

70. 'अपूर्व रसगुल्ला' कविता संग्रह अछि
(A) तंत्रनाथ झा
(B) पं. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'
(C) प्रो. सुरेन्द्र झा 'सुमन'
(D) जीवनाथ झा

www.bpscpathshala.com

71. 'ईंटउँघनी'क लेखक छथि

(A) डॉ. अमरेन्द्र मिश्र

(B) रवीन्द्र नाथ ठाकुर

(C) जीवछ मिश्र

(D) प्रो. मनोरंजन झा

72. 'बसात' नाटकमे चित्रण भेल अछि

(A) पौराणिक विषयक

(B) ऐतिहासिक विषयक

(C) आर्थिक विषयक

(D) नवीन युगक आदर्शक

73. आधुनिक कालक कविताक विशेषता थिक

(A) शृंगारिक काव्य

(B) छन्दबद्ध काव्य

(C) भक्ति काव्य

(D) छन्दमुक्त काव्य

74. आचार्य रमानाथ बाबूक अत्यन्त महत्वपूर्ण ओ विशिष्ट्य उपलब्धि थिक हुनक विस्तृत आलोचना साहित्य ओ व्यापक रूपें गवेषणात्मक अनुसंधान कार्य जे विभिन्न पत्र-पत्रिका, पुस्तक सभक भूमिकामे तथा प्रबंध संग्रह ओ निबंधमालामे संकलित अछि ।

– ई गद्यांश कोन इतिहासकार द्वारा लिखल गेल अछि ?

(A) डॉ. दिनेश कुमार झा

(B) डॉ. मायानन्द मिश्र

(C) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(D) डॉ. जयकान्त मिश्र

75. कविक काव्य प्रबन्ध पूर्वरंगक संगीतक इंगित पर नहि, छन्दबन्धक उन्मुक्त बातावरणमे विकसित लक्षित होइत अछि । एहि दृष्टिए आधुनिक मैथिली पर जतेक प्रभाव ज्योतिश्वर-विद्यापतिक नहि, गोविन्ददास-रामदासक नहि, उमापति-नन्दीपतिक नहि, ततेक मनबोधक पड़ल अछि ।

– ई गद्यांश लिखल गेल अछि

(A) प्रो. नवीन चन्द्र मिश्र

(B) गोविन्ददास

(C) डॉ. भीमनाथ झा

(D) प्रो. सुरेन्द्र झा 'सुमन'

76. ''भुस्साक आगि जकाँ नहुँ-नहुँ ।
जरै छी मने-मने हमहूँ ।''

– ई पाँति लिखने छथि

(A) 'सुमन'जी

(B) 'मधुप'जी

(C) 'किरण'जी

(D) 'यात्री'जी

77. 'पुरुष परीक्षा'क अनुवादक छथि

(A) डॉ. मायानन्द मिश्र

(B) लोचन

(C) डॉ. जयकान्त मिश्र

(D) कवीश्वर चन्दा झा

78. 'शिक्षा' निबंध लिखने छथि

(A) दामोदर झा

(B) उदित नारायण दास

(C) म. म. मुकुन्द झा 'बक्शी'

(D) नरेन्द्रनाथ दास

www.bpscpathshala.com

79. 'आवेश रानी' उपन्यासक पात्र छथि

(A) हमरा लग रहब ?

(B) द्विरागमनक

(C) पवित्रा

(D) कन्यादानक

80. 'स्वरगंधाक' रचनाकार छथि

(A) आरसी प्रसाद सिंह

(B) धूमकेतु

(C) राजकमल

(D) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'

81. ''हमरा साहित्यमे नवीनता इएह आनल ओ प्रगतिवादक इएह प्रवर्त्तक थिकाह ।'' — ई पाँति भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'क संदर्भमे लिखने छथि

(A) केदारनाथ लाभ

(B) प्रो. ईशनाथ झा

(C) मायानन्द मिश्र

(D) प्रो. रमानाथ झा

82. 'बाजि उठल मुरली' लिखल गेल अछि

(A) विभूति आनन्द

(B) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'

(C) मार्कण्डेय प्रवासी

(D) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

83. 'उचित वक्ता' कथा संग्रह पुरस्कृत अछि

(A) मैथिली रिसर्च सोसायटीसँ

(B) चेतना समितिसँ

(C) साहित्य अकादेमीसँ

(D) मैथिली अकादेमीसँ

84. 'अतीत' साहित्य अकादमीसँ पुरस्कृत भेल अछि

(A) 1987 ई. मे

(B) 1980 ई. मे

(C) 1970 ई. मे

(D) 1975 ई. मे

85. विवेकानन्द चौधरी पात्र अछि

(A) कादम्बरी उपकथा

(B) 'घड़ी'क

(C) आकाश-गंगाक

(D) 'सहस्र मेनका'क

86. 'बौद्धगान ओ दोहा'क अन्वेषण भेल

(A) 1916 ई. मे

(B) 1920 ई. मे

(C) 1935 ई. मे

(D) 1930 ई. मे

87. 'तार कोना पढ़ाओल गेल' शीर्षक कोन पोथीमे अछि ?

(A) पृथ्वीपुत्र

(B) कन्यादान

(C) भोरुकवा

(D) द्विरागमन

www.bpscpathshala.com

88. भारोपीय भाषा परिवार विभक्त अछि

(A) दस शाखामे

(B) पन्द्रह शाखामे

(C) पच्चीस शाखामे

(D) बीस शाखामे

89. 'समालोचना'क लेखक छथि

(A) डॉ. देवेन्द्र झा

(B) प्रो. परमानन्द झा

(C) डॉ. चेतकर झा

(D) सुधांशु शेखर चौधरी

90. ''कनक-भूधर-शिखर-वासिनी चन्द्रिका-चय-चारु-हासिनि''

– एहि पंतिमे ''चन्द्रिका-चय-चारु''मे अलंकार अछि

(A) उपमा अलंकार

(B) अतिशयोक्ति अलंकार

(C) उत्प्रेक्षा अलंकार

(D) वृत्त्यानुप्रास अलंकार

91. 'ओकरा आँगन बारहमासा'क विधा थिक

(A) नाटक

(B) कविता

(C) उपन्यास

(D) कथा

92. आधुनिक मैथिली साहित्यमे प्रबन्धकाव्यक रचनाक परम्परा स्थापित करबाक श्रेय देल जाइत अछि

(A) बदरीनाथ झा

(B) मनबोधकेँ

(C) सीताराम झा

(D) कवीश्वर चन्द्रकेँ

93. मिथिलाचंलमे 1909 ई. मे पहिल साप्ताहिक रूपमे पत्र प्रकाशित भेल छल । – ओ पत्रिका छल

(A) मिथिला मिहिर

(B) मिथिलामोद

(C) देसिल बचना

(D) मैथिली हितसाधन

94. भाषोत्पत्रिक धातु सिद्धान्तक प्रवर्त्तक छथि

(A) रुसो

(B) मैक्समूलर

(C) डार्विन

(D) अरस्तू

www.bpscpathshala.com

95. "आलोचकक तीनटा गुण सर्वमान्य अछि- सहृदयता, विस्तृत ज्ञान ओ निष्पक्षता । एहि तीनू गुणक दृष्टिएँ प्रो. रमानाथ झाक स्थान आलोचकक कोटिमे अग्रगण्य अछि ।"

- ई कथन इतिहासकार थिक

(A) डॉ. दिनेश कुमार झा

(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(C) डॉ. बाल गोविन्द झा 'व्यथित'

(D) डॉ. मायानन्द मिश्र

96. 'जिन्दगी भरि जे अमृत मन्थन करए ....' पाँति अछि

(A) 'विलाप' शीर्षक कविताक

(B) 'गोठ बिधनी' शीर्षक कविताक

(C) 'अंतिम प्रणाम' शीर्षक कविताक

(D) 'कविक स्वप्न' शीर्षक कविताक

97. सम्पादकीय रुपमे निबंधक प्रारम्भिक स्वरूपक दर्शन होइत अछि, म. म. मुरलीधर झाक 'मोद'क सम्पादकीय मे । एहिमे समसामयिक समस्या पर विचार व्यक्त कएल गेल उपहास, व्यंग्य-शैलीमे, सुधारवादी दृष्टिसँ निष्पन्न ।

- एहि गद्यांशमे कोन इतिहासकारक मत अछि ?

(A) डॉ. मायानन्द मिश्र

(B) डॉ. बाल गोविन्द झा 'व्यथित'

(C) डॉ. दिनेश कुमार झा

(D) डा. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

98. मानक मैथिली बाजल जाइत अछि

(A) पूर्णिया

(B) दरभंगा झा मधुबनी

(C) सहरसा

(D) भागलपुर

99. प्रबोध नारायण सिंह मैथिली नाट्य जगतक एकटा परिचित नाम अछि । हिनक एकांकी 'हाथीक दाँत' छद्म चरित्रक पर्दाफास करैत अछि । नेताजी समाजमे एकटा एहन लोक अछि जकर दू टा चरित्र छैक-एकटा देखब' बाला तथा दोसर जीब' बाला ।

- उपर्युक्त गद्यांश कहल गेल अछि

(A) महेन्द्र मलंगिया

(B) उषाकिरण खान

(C) कुणाल

(D) प्रदीप बिहारी

100. 'साहित्यक मर्यादा'क निबंधकार छथि

(A) भोला लाल दास

(B) ज्यो. बलदेव मिश्र

(C) पुलकित लाल दास 'मधुर'

(D) पं. त्रिलोचन झा

www.bpscpathshala.com

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान

9320014 9320014 9320014 9320014 9320014

www.bpscpathshala.com

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान

9320014 9320014 9320014 9320014 9320014 9320014

www.bpscpathshala.com

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान

www.bpscpathshala.com